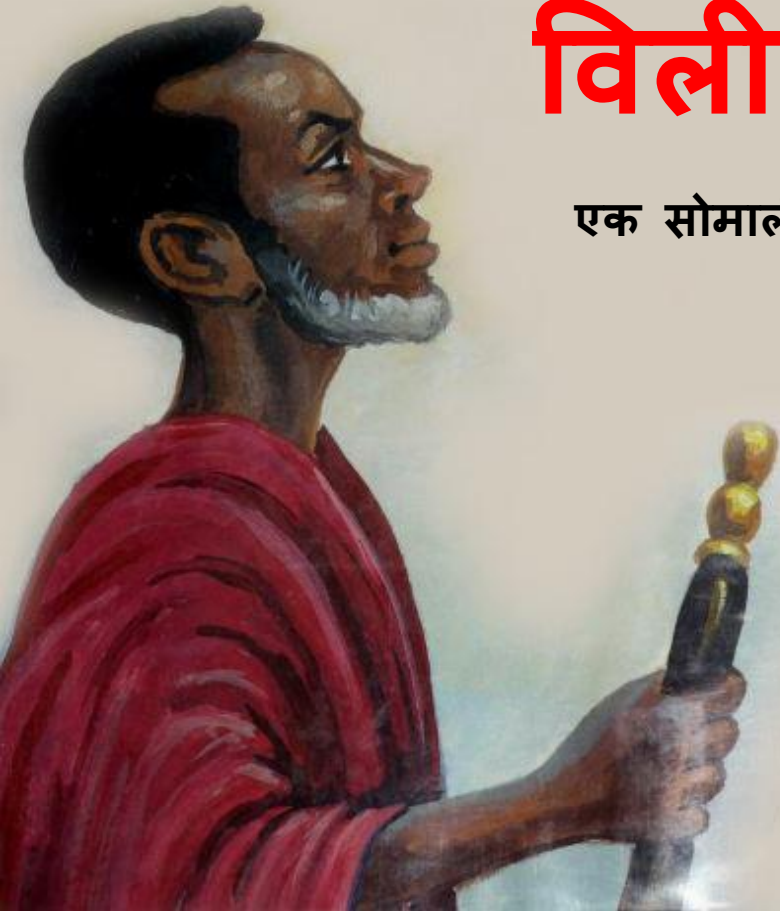


# विली वाल

एक सोमाली लोककथा



# विली वाल

एक सोमाली लोककथा

हिंदी : शिवानी मिश्र





The Somali Bilingual Book Project is dedicated to all refugee children and their families. Many thanks to those who shared stories to make this project possible.

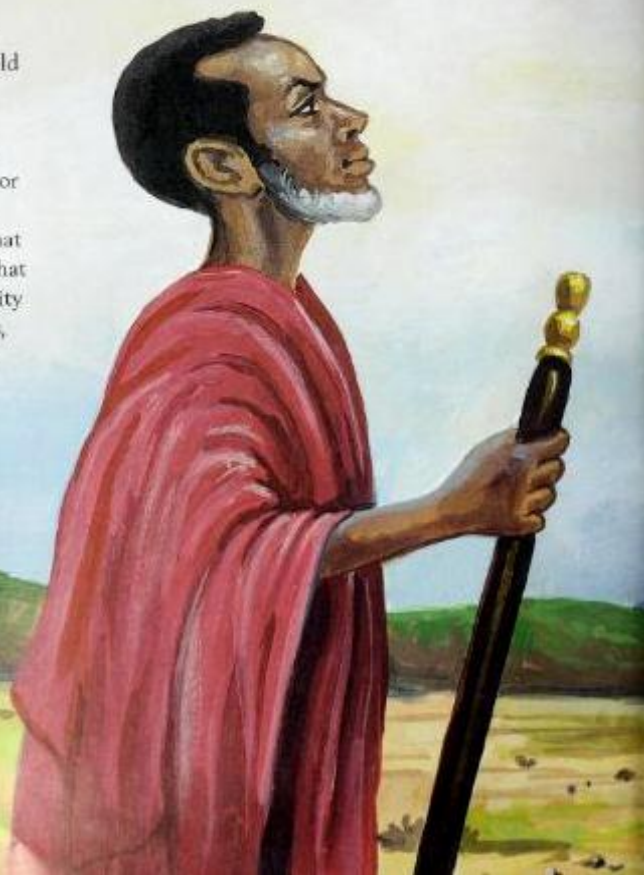
यह कहानी शरणार्थी बच्चों और उनके परिवारों को समर्पित है. जिन लोगों ने यह कहानियां हमें सुनाई उनका भी बहुत धन्यवाद.



## Author's Note

Long ago in East Africa, sultans ruled the land. In Somalia there are many stories told about a real sultan named Garad Farah Garad Hirsi. For a time in the mid-19th century he ruled a region of Somalia. It is common for Somalis to have a nickname or *naanays* in addition to a birth name. The sultan's nickname, Wiil Waal, suggested that he was a smart and brave man. It is said that Wiil Waal was a great leader, with the ability to unite people through the use of riddles, like the one shared in this story. He was a real man, but the stories told about him may or may not be real.

*Do you think this tale is true?*



## लेखक के दो शब्द

पुराने ज़माने में पूर्वी अफ्रीका में सुल्तान राज्य करते थे. सोमालिया में वहां के महान सुल्तान गारद फराह गारद हिरसी के बारे में कई कहानियां प्रचलित हैं. उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में उन्होंने कुछ समय के लिए सोमालिया पर राज्य किया. सोमालिया में लोगों के लिए अपने नाम के साथ एक उपनाम जोड़ना बहुत सामान्य बात है. सुल्तान के उपनाम **विल वाल** का मतलब है कि वे एक साहसी और होशियार इंसान थे. ऐसा कहा जाता है कि **विल वाल** एक महान लीडर थे जो अपने लोगों को पहेलियों के माध्यम से जोड़ते थे. उसका एक उदाहरण इस कहानी में प्रस्तुत है. सुल्तान वाकई में एक असली आदमी थे, जबकि उनके बारे में प्रचलित कहानियों की सच्चाई के बारे में यह नहीं कहा जा सकता है.

*यह कहानी सच है या झूठ? - तुम्हें क्या लगता है.*

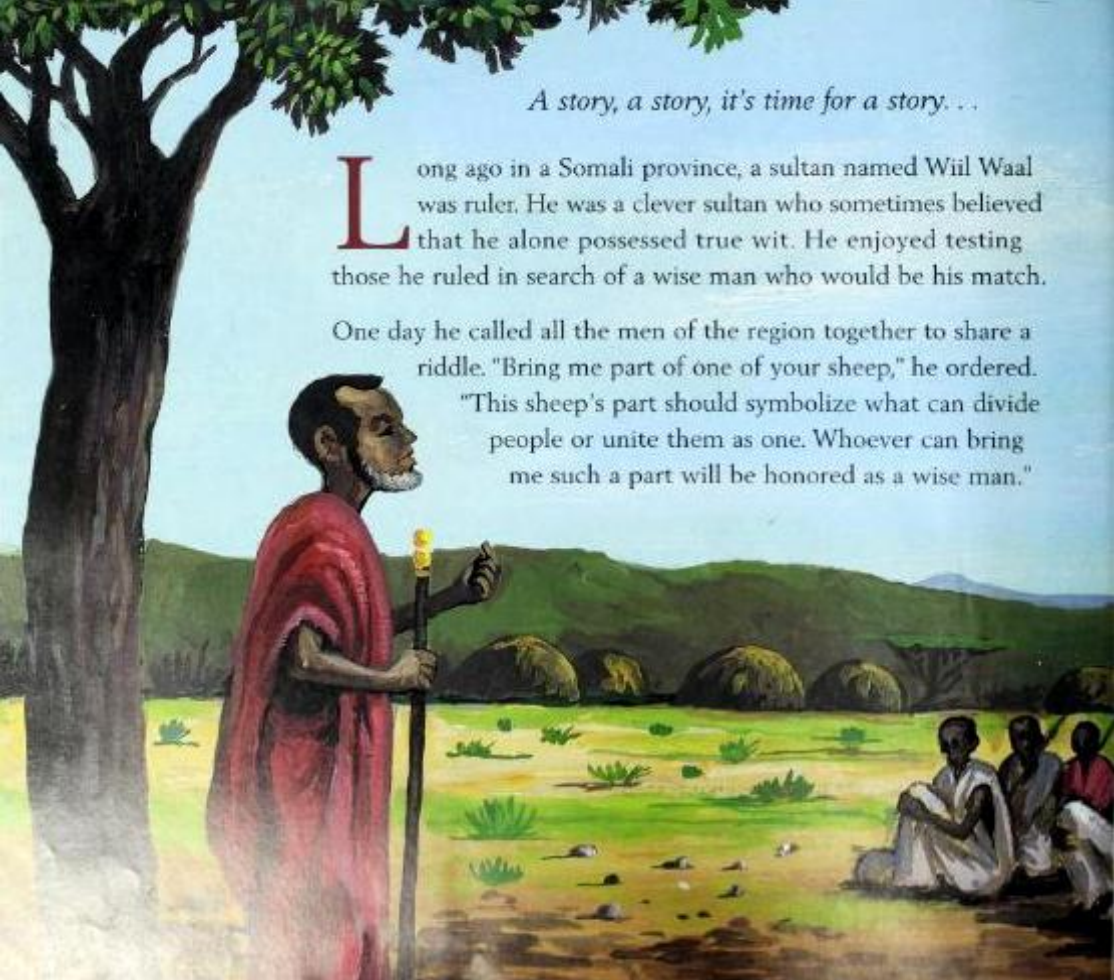


*A story, a story, it's time for a story. . .*

**L**ong ago in a Somali province, a sultan named Wiil Waal was ruler. He was a clever sultan who sometimes believed that he alone possessed true wit. He enjoyed testing those he ruled in search of a wise man who would be his match.

One day he called all the men of the region together to share a riddle. "Bring me part of one of your sheep," he ordered.

"This sheep's part should symbolize what can divide people or unite them as one. Whoever can bring me such a part will be honored as a wise man."



कहानी, कहानी, ये कहानी का समय है. . .

बहुत पहले सोमाली राज्य में सुल्तान विल वाल नाम का एक शासक था. वह एक बुद्धिमान सुल्तान था जो कभी यह सोचता था कि सिर्फ उसी के पास अच्छी समझ है. उसे अपनी प्रजा की परीक्षा लेना पसंद था ताकि वो अपने जैसा बुद्धिमान व्यक्ति खोज सके.

एक दिन उसने अपने राज्य के सारे व्यक्तियों को एक पहेली पूछने के लिए बुलाया. “अपनी भेड़ का वो अंग मुझे लाकर दो”, उसने आदेश दिया. “जो लोगों को अलग करने और उन्हें जोड़ने का प्रतीक हो. जो भी मुझे ऐसा अंग लाकर देगा उसे बुद्धिमान व्यक्ति कहलाए जाने का सम्मान प्राप्त होगा.”





The men turned to one another, asking, "Is there such a sheep part—a part that can show this?" Rubbing their chins in thought, the men set out to do as they were told. Each returned to his own house to slaughter his finest sheep. All hoped to solve the sultan's riddle. One man set aside a plump leg for the sultan. One man picked a shoulder. Another chose the liver.



सारे लोग आपस में बात करने लगे और पूछने लगे, “क्या ऐसा कोई अंग है – ऐसा अंग जो इस बात का प्रतीक हो?” वे लोग गहरी सोच में पड़ गए, और वो लोग सुल्तान के आदेश का पालन करने की सोचने लगे. सभी अपनी सबसे अच्छी भेड़ के अंग निकालने अपने घर वापस चले गये. वे सब सुल्तान की पहेली का हल ढूँढना चाहते थे. एक व्यक्ति ने सुल्तान के लिए एक तंदरुस्त पैर रखा. एक व्यक्ति ने सुल्तान के लिए भेड़ की बाँह को चुना. किसी और ने गुर्दे को चुना.



In this province lived one man who was very poor. He had far fewer livestock than his neighbors but believed his riches lay in the health and number of his children.



इसी राज्य में एक ऐसा व्यक्ति रहता था जो बहुत गरीब था. उसके पास जीवन व्यापन की बहुत कम वस्तुएं थीं पर वो मानता था कि उसका अमीर होना उसके बच्चों की सेहत और उनकी संख्या पर निर्भर करता है.



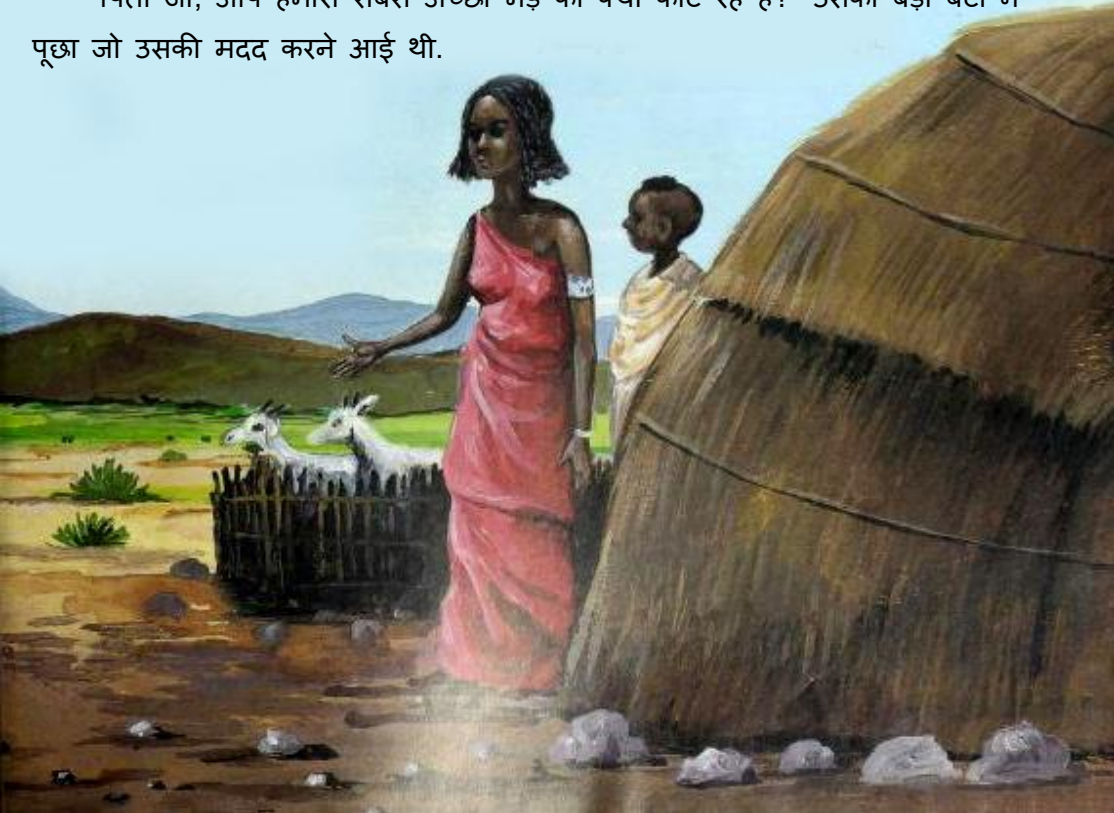
"Such a waste!" he thought as he prepared his largest sheep for slaughter. "To give away such fine meat to Wiil Waal, who surely has plenty to eat already."

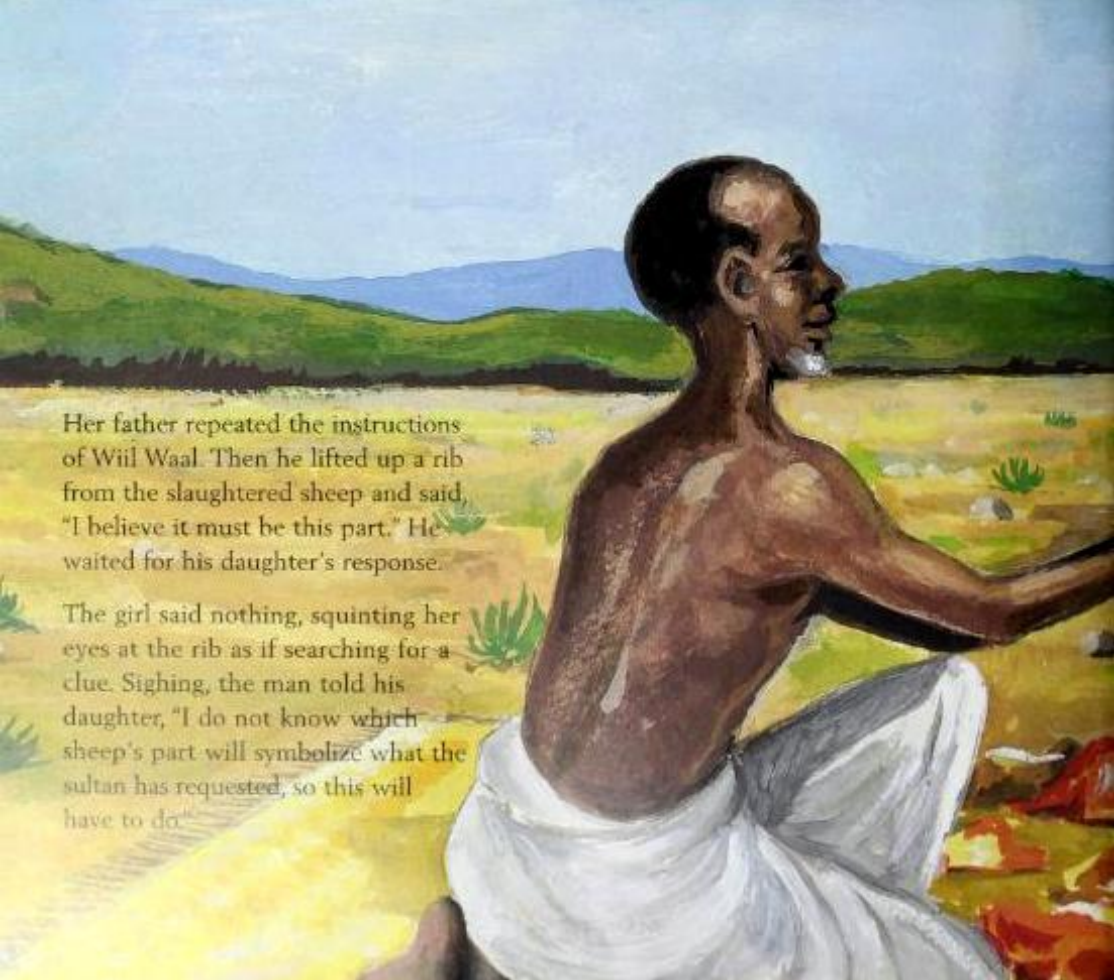
"Aabe, what is the occasion for slaughtering our finest sheep?" asked his eldest daughter, who had come to help him.



“ये सब बेकार है!” भेड़ को काटने के पहले उसने सोचा. “मैं विल वाल को इतना अच्छा माँस देने जा रहा हूँ जबकि उनके पास पहले से ही खाने के लिए कितना कुछ है.”

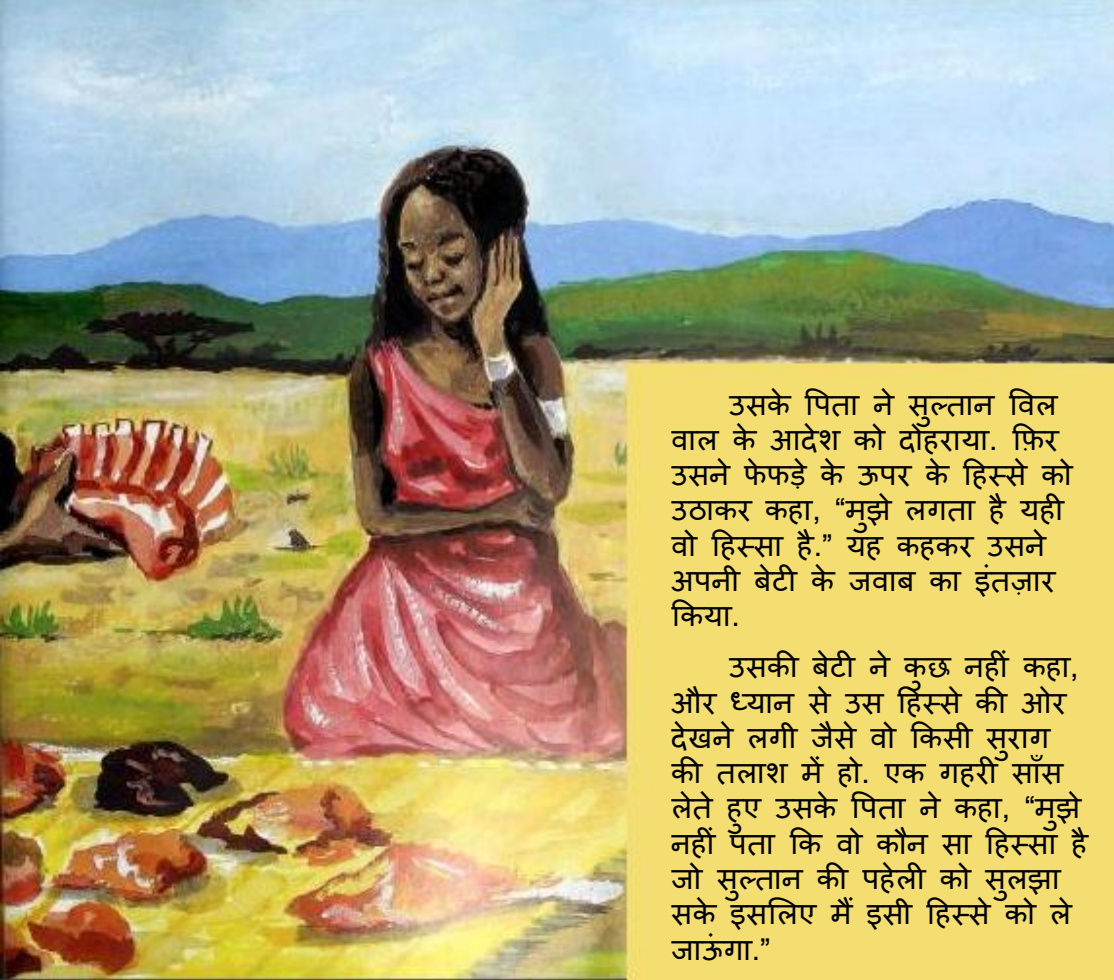
“पिता जी, आप हमारी सबसे अच्छी भेड़ को क्यों काट रहे हैं?” उसकी बड़ी बेटी ने पूछा जो उसकी मदद करने आई थी.





Her father repeated the instructions of Wiil Waal. Then he lifted up a rib from the slaughtered sheep and said, "I believe it must be this part." He waited for his daughter's response.

The girl said nothing, squinting her eyes at the rib as if searching for a clue. Sighing, the man told his daughter, "I do not know which sheep's part will symbolize what the sultan has requested, so this will have to do."



उसके पिता ने सुल्तान विल  
वाल के आदेश को दोहराया. फिर  
उसने फेफड़े के ऊपर के हिस्से को  
उठाकर कहा, “मुझे लगता है यही  
वो हिस्सा है.” यह कहकर उसने  
अपनी बेटी के जवाब का इंतज़ार  
किया.

उसकी बेटी ने कुछ नहीं कहा,  
और ध्यान से उस हिस्से की ओर  
देखने लगी जैसे वो किसी सुराग  
की तलाश में हो. एक गहरी साँस  
लेते हुए उसके पिता ने कहा, “मुझे  
नहीं पता कि वो कौन सा हिस्सा है  
जो सुल्तान की पहेली को सुलझा  
सके इसलिए मैं इसी हिस्से को ले  
जाऊंगा.”



The girl took the rib from her father's hand. "Something that unites people or drives them apart...?" she repeated. Then she handed the rib back to her father and, swiftly, she cut and pulled out the sheep's gullet. "Present this to Wiil Waal and you will be called the wise man," she said with a smile.

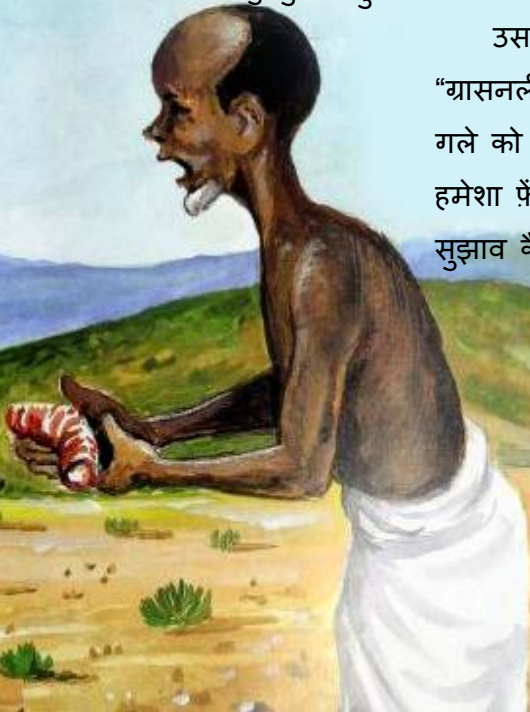
Her father was shocked. "The gullet!?" he cried. The part that connects the throat to the stomach? The gullet is always thrown away. How could his daughter suggest this?



उसकी बेटी ने वह हिस्सा अपने हाथ में लिया. “ऐसा अंग जो लोगों को जोड़ता है और अलग करता है...?” उसने अपने पिता की बात को दोहराया. फिर उसने वो हिस्सा दोबारा अपने पिता को दे दिया और जल्दी से उसने भेड़ की ग्रासनली (gullet) को काटकर निकाला. “विल वाल के सामने इसे ले जाइये और वो आपको बुद्धिमान व्यक्ति मान लेंगे”, उसने मुस्कुराते हुए कहा.

उसके पिता आश्चर्यचकित हो गए.

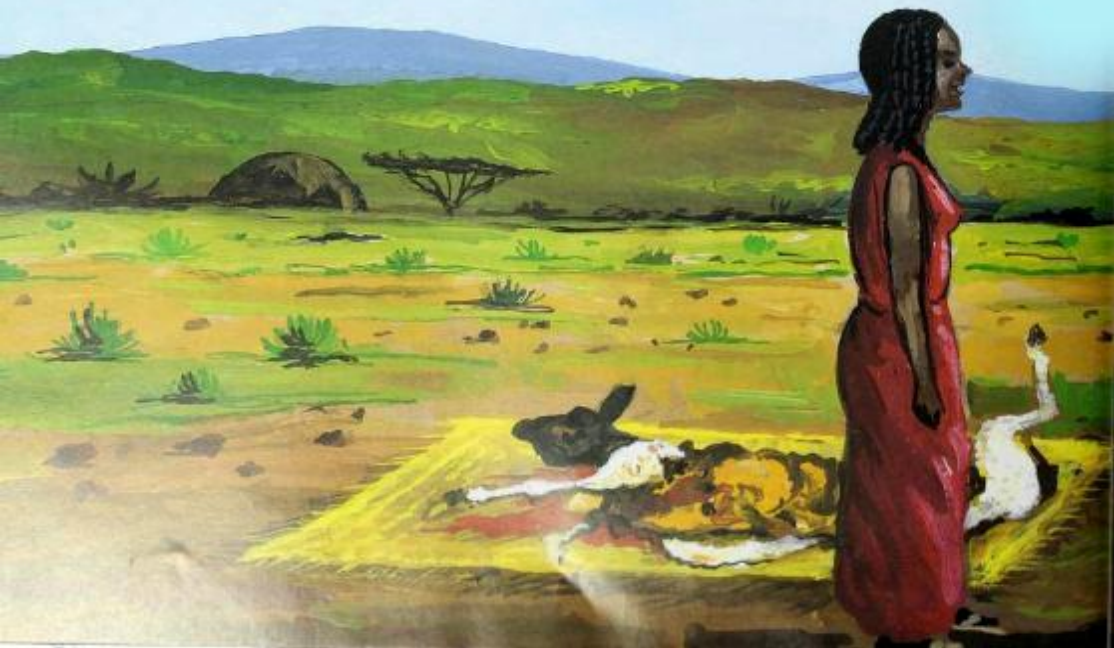
“ग्रासनली!?” वो चिल्लाकर बोले. वो हिस्सा जो गले को पेट से जोड़ता है? ग्रासनली को तो हमेशा फेंक दिया जाता है. उसकी बेटी उसे ये सुझाव कैसे दे सकती है?



"It will be an insult to the sultan! No one would ever eat the gullet!  
Certainly a rib is a more worthy offering."

"Trust me, father," his daughter said, "for as your daughter I have your good  
judgment."

The man eyed the pile of meat, which would now be for his family. "Yes,"  
he agreed, "I will." And so the poor man put his faith in his daughter.



“इससे सुल्तान अपमानित हो जाएंगे! किसी को भी ये हिस्सा नहीं खाना चाहिए! फेफड़े के ऊपर का हिस्सा ही सुल्तान को देने लायक सबसे बढ़िया अंग है.”

“मेरा भरोसा कीजिए पिता जी”, उसकी बेटी ने कहा, “आपकी बेटी होने के नाते मैं आपको अच्छी सलाह ही दूँगी.”

उसके पिता ने माँस के ढेर को देखा जो कि अब उसके परिवार के खाने के लिए होगा. “ठीक है”, मैं मानता हूँ, “मैं यही हिस्सा ले जाऊँगा”. और इस तरह उस व्यक्ति ने अपनी बेटी पर भरोसा कर लिया.



The next day a large crowd gathered in front of the sultan. Legs, shoulders, and organs—all the best parts of the fattest sheep—were piled high beside him. The poor man waited his turn. He stared nervously at all of the meat. He drew lines in the dirt with a stick as he waited. Finally it was his turn.



अगले दिन सुल्तान के सामने एक लम्बी भीड़ एकत्रित हुई. पैर, कंधे और दूसरे अंग - तंदरुस्त भेड़ के सबसे अच्छे अंग सुल्तान के आगे जमा हो गए. वह गरीब व्यक्ति अपनी बारी का इंतज़ार कर रहा था. उसने घबराते हुए माँस के ढेर की तरफ़ देखा. इंतज़ार करते करते वह मिट्टी में एक छड़ी से लकीरें खीचने लगा. आखिरकार उसकी बारी आ गई.



He stepped forward, closed his eyes, and reached inside his bag. His hands trembled as he held up the gullet. He listened for the crowd to cry out, "The gullet? What an insult to give the sultan a gullet!" But the crowd was silent. Wiil Waal was silent.



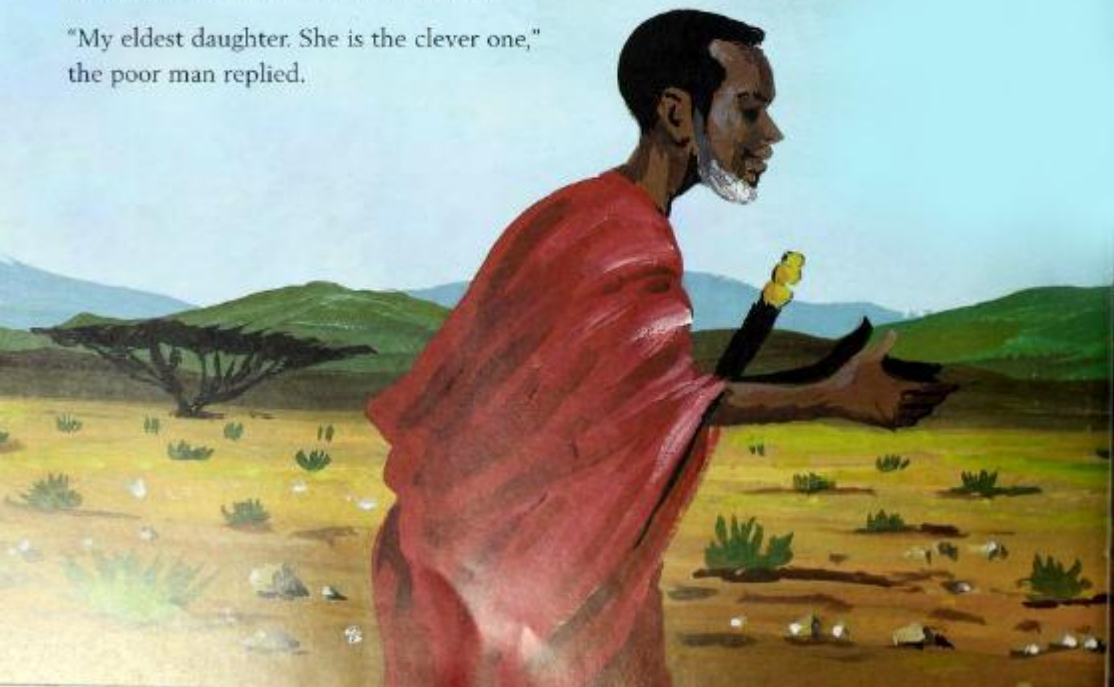
वह आगे बढ़ा और अपनी आँखें बंद करके झोले में हाथ डाला. उस ग्रासनली को निकालते वक्त उसके हाथ काँप रहे थे. उसे सोचा कि भीड़ में सब चिल्ला उठेंगे, “ग्रासनली (gullet)? सुल्तान का इतना अपमान!” पर भीड़ खामोश थी. विल वाल भी शांत थे.





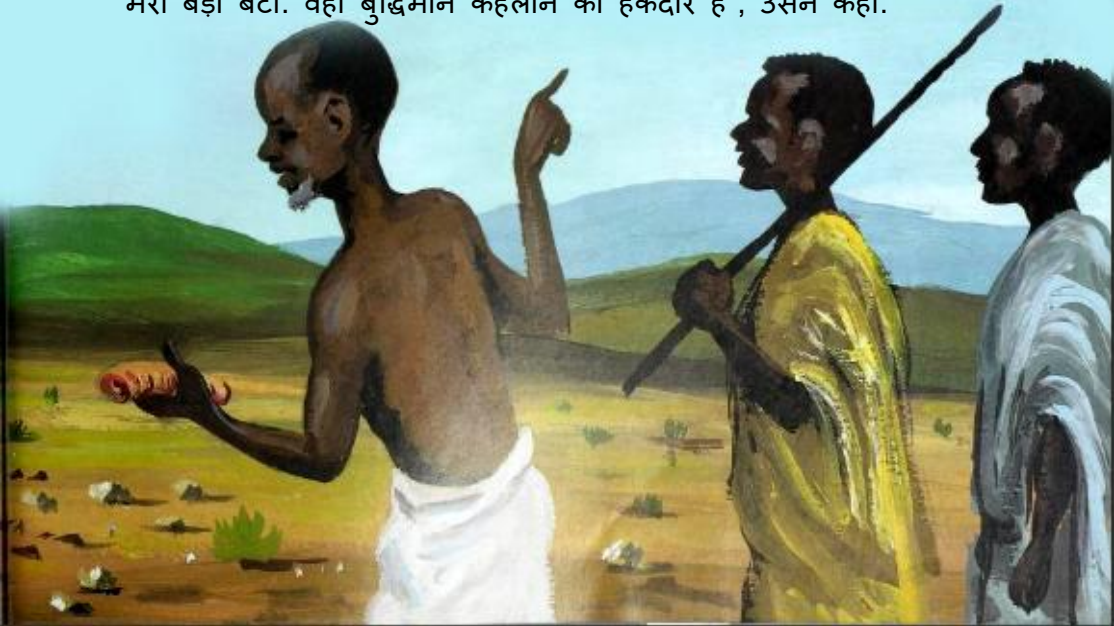
The poor man could not stand the silence any longer. He opened his eyes and saw Wiil Waal smiling at him. "You are a wise man!" Wiil Waal declared. The poor man's mouth dropped open. A wise man? He stared wide-eyed at the gullet in his hand. The sultan saw the man's confusion and knew he had not made the choice himself. "Who told you to bring me this part of the sheep?" Wiil Waal asked.

"My eldest daughter. She is the clever one," the poor man replied.



उस गरीब व्यक्ति से ये खामोशी बर्दाश्त नहीं हो रही थी. उसने अपनी आँखें खोली और देखा की विल वाल उसे देखकर मुस्कुरा रहे हैं. "तुम एक बुद्धिमान व्यक्ति हो!" विल वाल ने घोषणा की. उस व्यक्ति का मुँह खुला-का-खुला रह गया. बुद्धिमान व्यक्ति? उसने अपने हाथ में ली हुई गासनली (gullet) को अचम्भित होकर देखा. सुल्तान उसे परेशान देखकर समझ गए कि उसने यह हिस्सा खुद से नहीं चुना है. "तुमसे भेड़ का यह हिस्सा ले जाने के लिए किसने कहा?" विल वाल ने पूछा.

"मेरी बड़ी बेटी. वही बुद्धिमान कहलाने की हकदार है", उसने कहा.



"Bring me to her!" Wiil Waal demanded. The poor man led the sultan to his home.

Standing before the sultan, the beautiful young girl stood tall, cast her eyes downward, and spoke in a quiet yet clear voice.



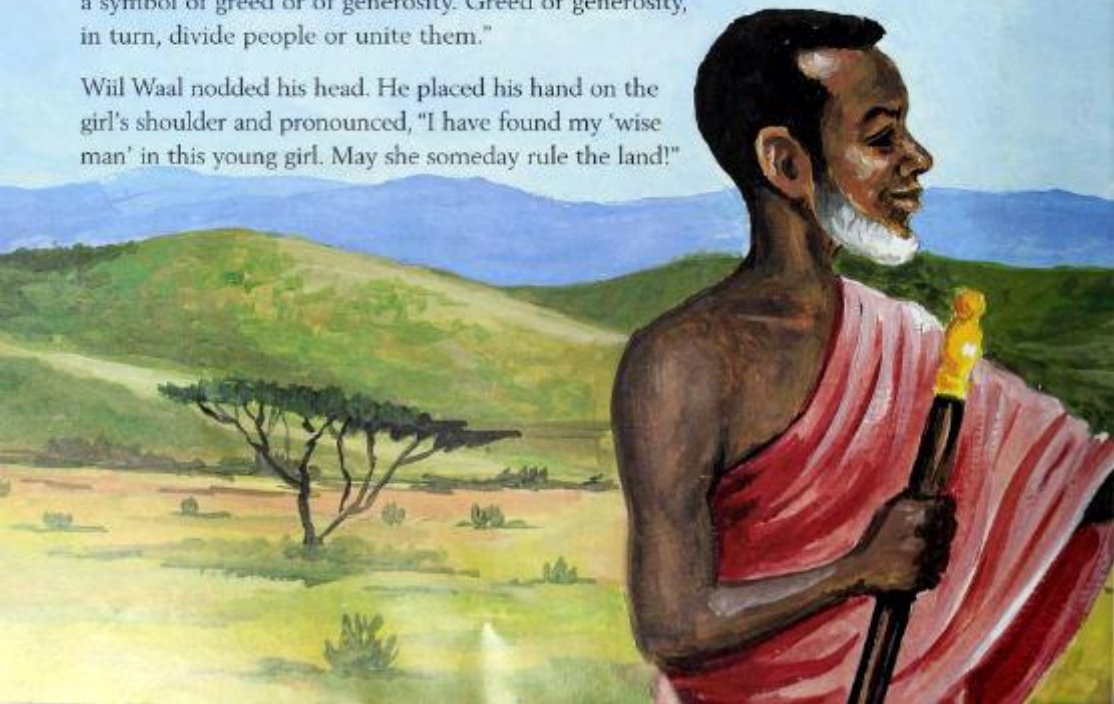
“मुझे उसके पास ले चलो!” विल वाल ने आदेश दिया.  
वह व्यक्ति सुल्तान को अपने घर ले गया.

उस प्यारी बच्ची ने सुल्तान के सामने गर्व से खड़े  
होकर और अपनी आँखें नीचे करके आराम से लेकिन बहुत  
ही साफ़ आवाज़ में अपनी बात रखी.



"I had my father bring you a sheep's gullet because it is truly a symbol of what unites or divides us. There are those in this world who have much and those who have little. When people do not share, they become enemies. But when they share with one another they can live in peace. The gullet delivers shared food to a hungry stomach. When no food is shared it is empty. It can be a symbol of greed or of generosity. Greed or generosity, in turn, divide people or unite them."

Wiil Waal nodded his head. He placed his hand on the girl's shoulder and pronounced, "I have found my 'wise man' in this young girl. May she someday rule the land!"



“मेंने ही अपनी पिता जी को भेड़ की ग्रासनली ले जाने के लिए कहा था क्योंकि ये हमें जोड़ने और अलग करने का प्रतीक है। इस दुनिया में कुछ ऐसे लोग हैं जिनके पास बहुत कुछ है और ऐसे भी लोग हैं जिनके पास बहुत कम। जब लोग आपस में मिल-बाँट कर नहीं रहते तो वे दुश्मन बन जाते हैं। पर जब लोग मिल-जुल कर रहते हैं तभी सब शांति से रह सकते हैं। ग्रासनली प्यार से दिए भोजन को पेट से जोड़ती है। जब लोग आपस में मिल-बाँट कर नहीं खाते तो पेट खाली रहता है। ये लालच और दयालुता दोनों का प्रतीक है। लालच और दयालुता ही लोगों को अलग करती है या उन्हें जोड़ती है।”

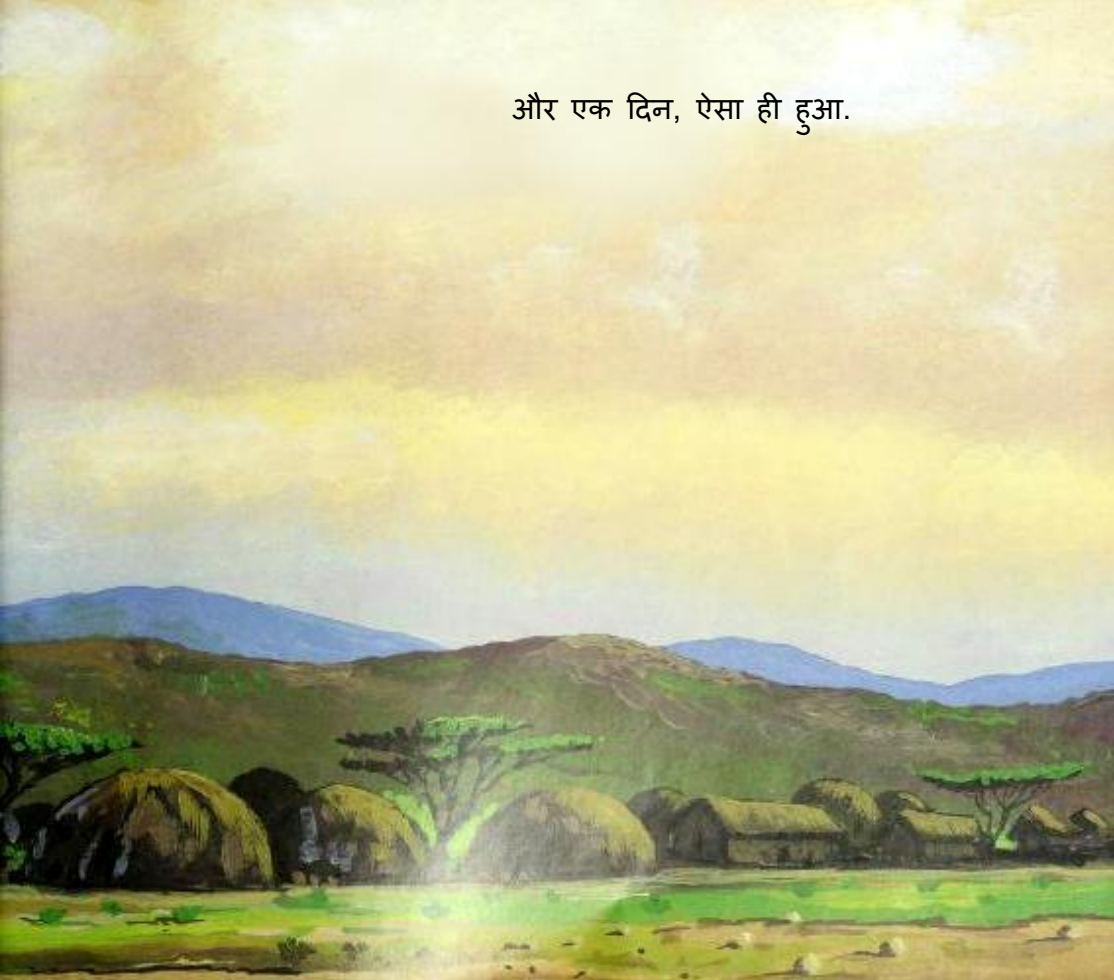
विल वाल ने सहमति में अपना सर हिलाया। उन्होंने अपना हाँथ उसके कंधे पर रखा और कहा, “मुझे वो बुद्धिमान व्यक्ति इस प्यारी बच्ची में मिल गया है। ये आगे चलकर इस राज्य पर शासन करेगी!”



And one day, it was so.



और एक दिन, ऐसा ही हुआ.





# अफ्रीका

Somalia  
सोमालिया

